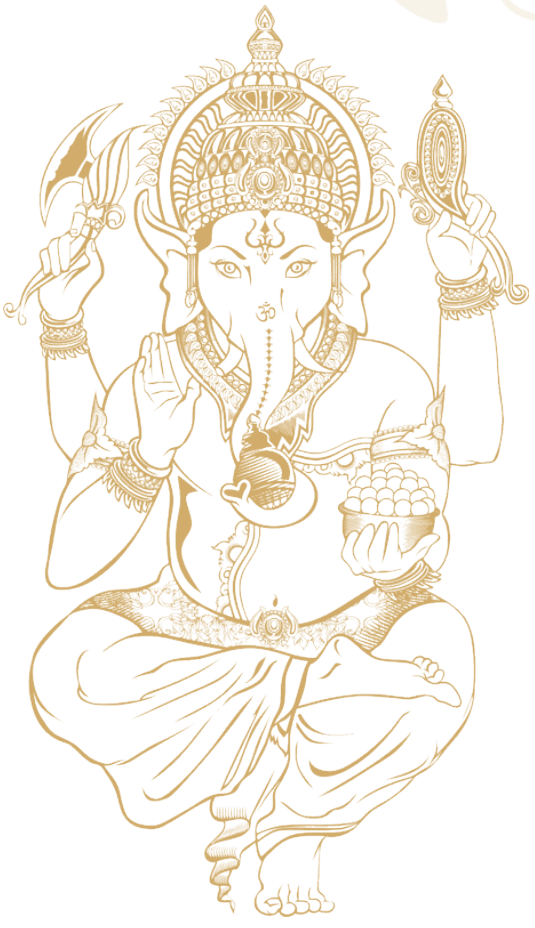

Pankaj Shakti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121100801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121100801 Date: 29/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/02/1994	जन्म तिथि	01/07/1999
शुक्र-शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 00:25:00	जन्म समय	10:14:00 घंटे
घटी 43:49:58	जन्म समय(घटी)	11:49:35 घटी
India	देश	India
Rewari	स्थान	Alwar
28:11:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:37:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:32	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:53:00	सूर्योदय	05:31:47
18:21:19	सूर्यास्त	19:22:51
23:46:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:48

वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	मकर
सूर्य	राशि-स्वामी	शनि
मघा	नक्षत्र	श्रवण
केतु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	1
सुकर्मा	योग	वैधृति
बव	करण	वणिज
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	खी-खिली
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	वानर
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 1वर्ष 11मा 25दि		03:20:04	वृश्चि	लग्न	सिंह	15:13:59	चन्द्र 9वर्ष 2मा 27दि	
चन्द्र		13:09:53	कुंभ	सूर्य	मिथु	15:05:20	राहु	
20/02/2022		09:33:05	सिंह	चंद्र	मक	11:00:36	28/09/2015	
21/02/2032		28:36:58	मक	मंगल	तुला	04:54:14	27/09/2033	
चन्द्र	22/12/2022	02:01:35	कुंभ व	बुध	कर्क	10:29:54	राहु	10/06/2018
मंगल	23/07/2023	20:51:51	तुला	गुरु	मेष	06:35:28	गुरु	02/11/2020
राहु	21/01/2025	22:44:08	कुंभ	शुक्र	कर्क	28:41:42	शनि	09/09/2023
गुरु	23/05/2026	09:33:29	कुंभ	शनि	मेष	20:23:30	बुध	29/03/2026
शनि	22/12/2027	03:41:20	वृश्चि व	राहु व	कर्क	19:21:10	केतु	16/04/2027
बुध	22/05/2029	03:41:20	वृष व	केतु व	मक	19:21:10	शुक्र	16/04/2030
केतु	21/12/2029	00:55:45	मक	हर्ष व	मक	22:19:43	सूर्य	11/03/2031
शुक्र	22/08/2031	28:39:42	धनु	नेप व	मक	09:47:07	चन्द्र	09/09/2032
सूर्य	21/02/2032	04:17:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:29:13	मंगल	27/09/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:48

लग्न-चलित

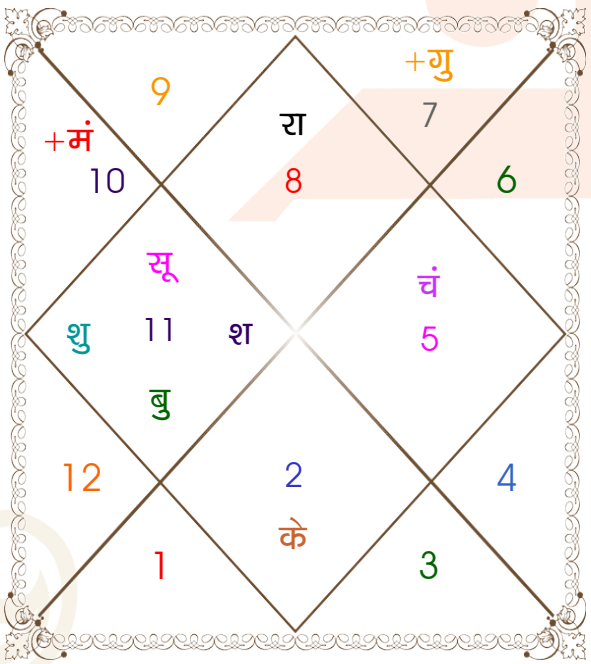

लग्न-चलित

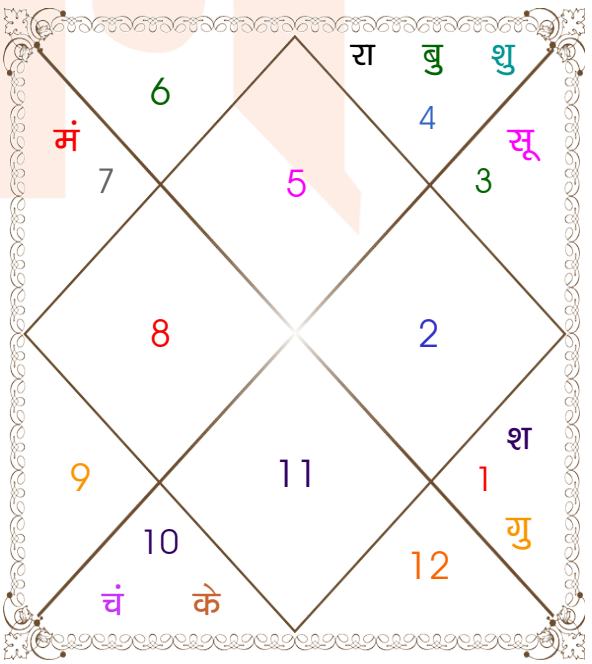

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	5.50		

कुल : **5.5 / 36**

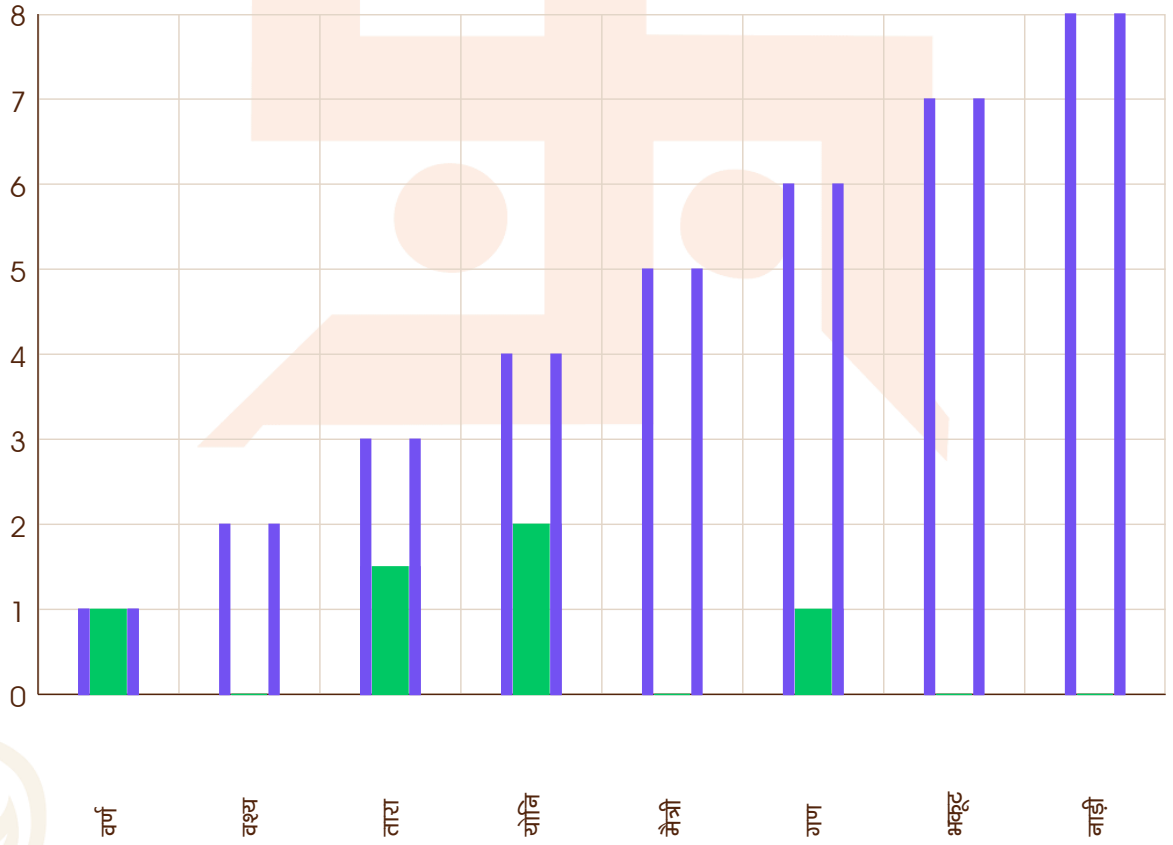

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Shakti का नक्षत्र श्रवण है।

Pankaj का वर्ग मूषक है तथा Shakti का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pankaj और Shakti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Pankaj मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Shakti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Pankaj तथा Shakti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pankaj का वर्ण क्षत्रिय तथा Shakti का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Shakti आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Shakti की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Pankaj का वश्य वनचर है एवं Shakti का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Pankaj एवं चतुष्पद Shakti का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Pankaj निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Shakti को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Shakti को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

Pankaj की तारा वध तथा Shakti की तारा क्षेम है। Pankaj की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pankaj बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Pankaj को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Shakti लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Pankaj की योनि मूषक है तथा Shakti की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pankaj एवं Shakti दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Pankaj एवं Shakti के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Pankaj दवं Shakti को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Pankaj का गण राक्षस तथा Shakti का गण देव है। अर्थात Shakti का गण Pankaj के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Pankaj निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Pankaj का Shakti के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Shakti हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Pankaj से Shakti की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Shakti से Pankaj की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Pankaj लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Shakti को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से

अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Pankaj की नाड़ी अन्त्य है तथा Shakti की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pankaj एवं Shakti की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Pankaj की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा Shakti की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। नैसर्गिक रूप से आग्नि एवं पृथ्वी तत्व में असमानता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण Pankaj और Shakti के मध्य स्वाभाविक असमानता रहेगी जिससे परस्पर संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

Pankaj की राशि का स्वामी सूर्य तथा Shakti की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Pankaj और Shakti के मध्य अनावश्यक विवाद, वैमनस्य तथा विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः संबधों में कटुता तथा तनाव का भाव रहेगा तथा पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि में भी न्यूनता रहेगी। साथ ही Pankaj के उग्र भाव से भी कभी कभी अप्रियस्थिति उत्पन्न हो सकती है।

Pankaj और Shakti की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती हैं। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। जिसका वैवाहिक जीवन पर स्पष्ट दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से ये एक दूसरे की आलोचना तथा विरोध करने में अपना अधिकांश समय करेंगे तथा समय समय पर कलह के कारण अलगाव तक की स्थिति बन सकती है या Pankaj और Shakti में से किसी एक को स्वास्थ्य संबधी परेशानी हो सकती है ।

Pankaj का वश्य वनचर तथा Shakti का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में स्वाभाविक समानता के कारण Pankaj और Shakti की अभिरूचियां समान रहेंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समता रहेगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Pankaj का वर्ण क्षत्रिय तथा Shakti का वर्ण वैश्य है। अतः Pankaj की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने में रहेगी तथा Shakti धनार्जन में दक्ष रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी।

धन

Pankaj और Shakti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Pankaj तथा Shakti दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Shakti को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Shakti को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Pankaj और Shakti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Pankaj और Shakti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Shakti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Shakti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Shakti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Pankaj और Shakti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Pankaj और Shakti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shakti के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Shakti अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Shakti पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Shakti अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Pankaj के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Pankaj अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Pankaj के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Pankaj के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।